3 शिष्टाचार

मगन अच्छा लड़का है। मोहल्ले के सब लोग मगन को प्यार करते हैं। सभी उसकी बहुत बड़ाई करते हैं। मगन सबकी आँखों का तारा है। आखिर ऐसा क्या है मगन में कि सब लोग उसकी प्रशंसा करते नहीं थकते ? मगन कभी झूठ नहीं बोलता। वह किसी की वस्तु नहीं चुराता। बुरी संगत से सदैव बचता है। अनुपयोगी वस्तुओं को इधर–उधर नहीं फेंकता। हमेशा कचरा –पात्र में ही कचरा डालता है।

कभी अपने माता–पिता की आज्ञा नहीं टालता। यदि कोई पड़ोसी भी काम बता दे तो मना नहीं करता। वह घर आए अतिथियों का स्वागत बड़े उत्साह से करता है। कभी उन्हें भार नहीं समझता। वह विनम्रता से बात करता है। कड़वा बोल कर किसी का दिल नहीं दुखाता।

मगन अपने से बड़ों के साथ आदरपूर्वक व्यवहार करता है। बड़ों की बात को कभी नहीं काटता। हमेशा शिष्ट भाषा का प्रयोग करता है। कोई उससे कुछ पूछता है तो नम्रता से उत्तर देता है।

मगन अपने गुरुजी का बहुत सम्मान करता है। वह उनका आदर से अभिवादन करता है। कक्षा में उनकी कुर्सी पर कभी नहीं बैठता। कभी किसी की मजाक नहीं उड़ाता। किसी कारण से गुरुजी कक्षा में नहीं

आते तो उधम नहीं मचाता। अपना पाठ याद करता रहता है। वह हमेशा शाला के नियमों का पालन करता है।

मगन जब कभी बाग–बगीचे में घूमने जाता है तो पेड़–पौधों की पत्तियाँ नहीं नोचता। व्यर्थ में कभी फूल नहीं तोड़ता। कहीं भी किसी जानवर को नहीं सताता। वह सभी के प्रति सहानुभूति रखता है। रेलवे स्टेशन हो या बस–अड्डा, सड़क, पार्क, सिनेमाघर हो या बाग–बगीचा, मगन शिष्टाचार कभी नहीं भूलता।

कभी–कभी कुछ लोग शिष्टाचार का दिखावा करते हैं। वे सोचते हैं, ऐसा करने से उन्हें अच्छा समझा जाएगा। लोगों को दिखाने के लिए किया गया शिष्टाचार टिकाऊ नहीं होता। कोशिश यह करनी चाहिए कि शिष्टाचार हमारे स्वभाव की विशेषता बन जाए।

प्रायः बस या रेल में चढ़ते

समय लोग धक्का–मुक्की करते हैं। इससे किसी को चोट लग सकती है। ऐसे अवसरों पर हमें अपनी बारी की प्रतीक्षा करनी चाहिए। वृद्ध तथा कमजोर लोगों की मदद करनी चाहिए।

शिष्टाचार ऐसा फूल है, जिसकी सुगंध हमेशा अपने वातावरण को सुगंधित रखती है।

अभ्यास कार्य

शब्द–अर्थ

अनुपयोगी – बेकार, व्यर्थ
अतिथि – मेहमान
अभिवादन – श्रद्धापूर्वक नमस्कार करना
सहानुभूति – संवेदना, दया
संगत – साथ, संग रहना
शिष्टाचार – सभ्य आचरण व व्यवहार

उच्चारण के लिए

विनम्रता, वृद्ध, सुगंध, फेंकना, हमेशा, सम्मान, प्रतीक्षा, मोहल्ला,स्वागत।

सोचें और बताएँ

1. मगन कैसा लड़का है ?
2. मगन अतिथियों के साथ कैसा व्यवहार करता है ?
3. शिष्टाचार की तुलना किससे की गई है ?

लिखें

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें –

(क) मगन कभी ..... नहीं बोलता। (सच / झूठ)

(ख) मगन ..... से बात करता है। (विनम्रता / उद्दण्डता)

(ग) मगन बड़ों के साथ ..... का व्यवहार करता है। (आदर / अनादर)

(घ) वृद्ध तथा कमजोर लोगो की मदद ..... चाहिए।
(नहीं करनी / करनी)

2. मगन सबको अच्छा क्यों लगता है ?
3. मगन में शिष्टाचार की कौन–कौनसी आदतें हैं ?
4. बड़ों के साथ बात करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?
5. बाग–बगीचे में घूमते समय हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?
6. शिष्टाचार को कैसा फूल बताया गया है और क्यों ?

भाषा की बात

- 'मगन सबकी आँखों का तारा है।' वाक्य में 'आँखों का तारा होना' का अर्थ है सबका प्यारा होना ऐसे विशिष्ट अर्थ वाले रूढ़ वाक्यांशों को मुहावरा कहते हैं। आप भी पाठ में आए निम्न मुहावरों को जानकर उनका सही अर्थ के साथ मिलान करें–

(क) दिल दुखाना	बीच में बोलना।
(ख) बात काटना	उपहास करना।
(ग) हँसी उड़ाना	शैतानी करना।
(घ) उधम मचाना	दुखी करना।

- ष, श, स वर्णों का उच्चारण अलग–अलग होता है। निम्नलिखित शब्दों में इनका प्रयोग हुआ है, शिक्षक की सहायता से उच्चारण करें।

श– शिष्टाचार, शत्रु, शहर, शपथ।

ष– षट्कोण, शोषण, पोषक, वर्षा।

स – सत्य, सदाचार, समर्पण, सहयोग।

- 'मगन अच्छा लड़का है। मोहल्ले के सब लोग मगन को प्यार करते हैं।' इन पंक्तियों में मगन–व्यक्ति, प्यार–भाव, लड़का–जाति व मोहल्ला–स्थान विशेष का नाम हैं। इस प्रकार किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। आप भी नीचे लिखे अनुच्छेद में से संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखें।

  'मगन सबकी आँखों का तारा है। आखिर ऐसा क्या है मगन में कि सब लोग उसकी प्रशंसा करते नहीं थकते ? वह हमेशा कचरा–पात्र में ही कचरा डालता है।'

  संज्ञा शब्द ....

- सही शब्द लिखकर जोड़े बनाएँ

  (मुक्की, पिता, दौड़, बगीचा, पौधे, आना)

  इधर – उधर

  क) जाना ..... (ख) माता .....

  (ग) भाग ..... (घ) बाग .....

  (ङ) पेड़ ..... (च) धक्का .....

यह भी करें –

- शिष्टाचार की बातों की सूची बनाएँ

क्र. सं.	शिष्टाचार की बातें

जीवन का एक क्षण करोड़ स्वर्ण मुद्राएँ देने पर भी नहीं मिलता है।

–चाणक्य

विनती

हे प्रभु, आप जगत के पालक,
हम हैं छोटे–छोटे बालक।
पढ़ें–लिखें और बने महान,
हमको ऐसा दो वरदान।

हाथ जोड़कर करते विनती,
सीखें सद्‌गुण अक्षर गिनती।
एक दूजे के आएँ काम,
हमको ऐसा दो वरदान।

मातृभूमि का मान बढ़ाएँ,
जीवन अपना सफल बनाएँ।
इस पर वारें तन–मन प्राण,
हमको ऐसा दो वरदान।